online- Disposal ... 1

अनुसूचि 14 फारम 462 (देखे अभिलेख हस्तक 194 'क' का नियम 129)

ता0............ आदेश पत्रक संख्या............

केश का प्रकार 174/2015-16

जिला खूँटी .... सत्र .... सं0 ....

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
13/1/16	आवेदन पत्र .... बैंक मुरहु .... शाखा की ओर से अधिवक्ता ने उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र दाखिल किये हैं कि निलाम देनदार श्री संजीव कुमार पिता श्री कुलदीप प्रसाद ग्राम मुरहु पो0 मुरहु थाना मुरहु के विरुद्ध उपान्त में लिखित बैंक ऋण बाकी है उनके विरुद्ध निलाम पत्र वाद दायर कर वसूली किया जाय। बैंक की ओर से कोर्ट की राशि का स्टाम्प .... रु0 का दायर किया गया है जो अभिलेख के साथ संलग्न है। उपर्युक्त तथ्य से मैं सहमत हूँ। निलाम देनदार धारा 7 पी0डी0आर0 एक्ट के अन्तर्गत नोटिस निर्गत करें तथा अभिलेख दिनांक 13/2/16 को प्रस्तुत करें। लेखापित एवं सत्यापित निलाम पत्र पदाधिकारी खूँटी। निलाम पत्र पदाधिकारी खूँटी।	मूल सूद 897435=00 C-fee - 17320=00 P-fee - 25=00 कुल - 914780=00
13/2/16	नोटिस तामिला अप्राप्त दिनांक 8/3/16 को दें।	
8/3/16	नोटिस तामिला .... दिनांक 8/4/16 को दें	

8/4/16 — केस का अनुपालन। दिनांक 7/5/16 को रखें।
W/A ...

27/1/17 — अभिलेख उपस्थापित। नीलाम पत्राधिकारी के निर्देशानुसार कार्यवाही हेतु पुनः वारंट निर्गत करें।
27/01/17

24/2/17 — केस का अनुपालन। दिनांक 25/3/17 को रखें।

25/3/17 — केस का अनुपालन। दिनांक 17/4/17 को रखें।

17/4/17 — केस का अनुपालन। दिनांक 15/5/17 को रखें।

15/5/17 — केस का अनुपालन। दिनांक 10/6/17 को रखें।

10/6/17 — केस का अनुपालन। दिनांक 8/7/17 को रखें।

8/7/17 — केस का अनुपालन। दिनांक 5/8/17 को रखें।

5/8/17 — केस का अनुपालन। दिनांक 5/9/17 को रखें।

5/9/17
23/11/17 — अभिलेख उपस्थापित। केस का अनुपालन। वापसी नीलाम हेतु नोटिस निर्गत करें। दिनांक ... को रखें।

आवेदक उपस्थित। वादी वसूली हेतु नोटिस जारी करने हेतु नियत तारीख को रखे।

निष्पादक

आवेदक उपस्थित। बैंक द्वारा प्रतिवेदन प्राप्त, बैंक द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि ऋण (पंजीकृत) द्वारा 914780 = (नौ लाख चौदह हजार सात सौ अस्सी रुपये) दे दिए। अब इनके ऊपर किसी प्रकार का बकाया नहीं है।

अतः बैंक आवेदन पत्र स्वीकार कर वाद की कार्यवाही को समाप्त किया जाता है। साथ ही प्रकरण सम्बन्ध अभिलेख को रजिस्टर में दर्ज कर अभिलेखागार में जमा करें।

लेखापाल एवं निष्पादित।

निगम पदाधिकारी सह अनुमण्डल पदाधिकारी सदर। | निगम पदाधिकारी सह अनुमण्डल पदाधिकारी सदर।